ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 15-07-2025

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-07-15 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-07-16	2025-07-17	2025-07-18	2025-07-19	2025-07-20
वर्षा (मिमी)	33.0	37.0	25.0	29.0	21.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	30.0	31.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	25.0	25.0	24.0	23.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	89	91	91	89	83
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	69	73	64	59	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	8	7	5	6
पवन दिशा (डिग्री)	207	198	183	205	263
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	6	4	7
चेतावनी	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहेंगे और बारिश की संभावना है। तापमान में वृद्धि होने की संभावना है, हवा की गति सामान्य रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारी वर्षा; गरज और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज सतही हवाएं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों का गिरना

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई किसी भी फसल की बुवाई से पहले जल निकासी सुनिश्चित करें तभी बुवाई के लिए जाएँ। जिन किसान का खेत अभी भी परती रह गया हो, वे अविलंब विभिन्न फसल की बोआई अनुशंसित विधि से करें। धान के फसल

को छोड़कर अन्य सभी फसल की बोआई मेढ़ बनाकर ही करें। जिन खेतों में धान का रोपा करना हो, वैसे खेतों के मेढ़ को दुरुस्त रखें तथा खेत को जोतकर मिट्टी को खूला छोड़ दें जिससे जल जमाव के साथ - साथ खेत में मौजूद खर- पतवार भी भली भांती सड़ जाए। संक्रमण से बचने और वायु परिसंचरण में सुधार के लिए क्षतिग्रस्त, सड़ते हुए फलों और पीले/रोगग्रस्त पत्तियों को हटा दें। जो किसान पहले ही बोआई कर चुके हैं और अगर अंकुरण समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज बोएँ या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाड़कर खाली जगह में लगा दें। खड़ी फसलों में सिंचाई रोक दें और जल निकासी की सुविधा रखें। मौसम साफ होने तक खाद या कीटनाशकों का छिड़काव रोक दें। वर्षा जल संचयन के लिए अपने खेत के निचले भाग में छोटे -छोटे गड्ढे (डोभा) का निर्माण करें।

लघु संदेश सलाहकार:

पशुओं को गांठदार त्वचा रोग से बचाव हेतु टीकाकरण करवाएं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	जल्दी बोई गई फसल 3 सप्ताह की अवस्था में है। निराई-गुड़ाई और गुड़ाई करें। 16 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति एकड़ डालें और फिर मिट्टी चढ़ा दें। लंबे समय तक बादल छाए रहने और बारिश होने के कारण, मक्के में, विशेष रूप से अंकुरण से लेकर वानस्पतिक अवस्था तक, जीवाणु तना सड़न रोग के संक्रमण की संभावना हो सकती है। तना सड़न को नियंत्रित करने के लिए सूखे दिनों में कपर ऑक्सीक्लोराइड आधारित रसायनों का प्रयोग करें।
चावल	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 20-25 दिन पुराने धान के पौधों को 20 x 10 (आर x पी) सेमी के अंतर पर तैयार खेतों में रोपें। नाइट्रोजन 100 किग्रा./हेक्टेयर, फॉस्फोरस 60 किग्रा./हेक्टेयर, पोटाश 40 किग्रा./ हेक्टेयर और जिंक सल्फेट 25 किग्रा./हेक्टेयर रोपाई से पहले इस्तेमाल करें। जिन धान के खेतों में पानी भरा हुआ है, उनमें एक पैकेट/एकड़ नील हरित शैवाल (बीजीए) डालें, क्योंकि यह नाइट्रोजन का समृद्ध स्रोत है।
चावल	जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना कहते है वे रोपा के लिए खेत की तैयारी का रोपा का कार्य आरंभ करें। रोपा वाले खेत मे गोबर की खाद का प्रयोग 40 से 50 क्विंटल प्रति एकड़ के दर से करें तथा जल निकासी मे लिए नाली बनाएँ, रोपा से पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक –एक बिचड़े को 25 सेंटीमेटर की दूरी पर लगाएँ ।
रागी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 3 सप्ताह पुरानी रागी की फसल की रोपाई करें। रोपाई से पहले जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। कतार से कतार की दुरी 30 सेंटीमीटर तथा पौध से पौध की दुरी 10 सेंटीमीटर रखें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	जून-जुलाई में टमाटर की नर्सरी में पौध लगाने का सबसे अच्छा समय होता है। बीज को ट्राइकोडर्मा विरिडे @ 4 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित करें। बीज को बोने से 24 घंटे पहले बीज उपचारित करना चाहिए। उन्नत किस्में – स्वर्ण लालिमा, अर्का आभा, स्वर्ण सम्पदा, स्वर्ण समृद्धि, पूसा संकर-1, सुरक्षा। कतार से कतार की दुरी 60 सेंटीमीटर तथा पौध से पौध की दुरी 30 सेंटीमीटर रखें, संकर किस्मों के लिए 60 X 60 सेंटीमीटर की दुरी रखें।
बैंगन	किसानों को सलाह दी जाती है कि टमाटर, मिर्च, प्याज, फूलगोभी और बैंगन की बुवाई या रोपाई के बाद, शुरुआती 30-45 दिन उनकी वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए, खरपतवार नियंत्रण के लिए अंतर-कृषि क्रियाएँ अवश्य करें।
टमाटर	किसानों को सलाह दी जाती है कि टमाटर फल छेदक कीट के प्रबंधन के लिए जाल फसल के रूप में गेंदा (अफ्रीकी गेंदा) का उपयोग उपयोगी है।

मछली पालन विशिष्ट सलाह:

मछली पालन	मछली पालन विशिष्ट सलाह
आम सीएआरपी	वर्षा के बाद तालाब को साफ़ कर मछलि उत्पादन हेतु जीरा संचयन करे, अधिक उत्पादन हेतु छ: मछलियों की अंगुलिकाएँ 4000 प्रति एकड़ संख्या में निम्नांकित अनुपात में डालें - कतला 800 संख्या प्रति एकड़, रोहू 1200 संख्या प्रति एकड़, मृगल 800 संख्या प्रति एकड़, सिल्वर 400 संख्या प्रति एकड़, ग्रास

मछली पालन	मछली पालन विशिष्ट सलाह
	कार्प 300 संख्या प्रति एकड़ तथा कॉमन कार्प 500 संख्या प्रति एकड़। मछली के कृत्रिम भोजन (2 से 3 किलोग्राम प्रति एकड़ तालाब) के लिए सरसों की खली एवं चावल का कुंडा बराबर मात्रा में मिलकर जीरा संचयन से तीन माह तक के मछलियों को दे।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

फसलों का गिरना, फसलों का सड़ना

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

जल निकासी की सुविधा प्रदान करें, यदि संभव हो तो सब्जी की नर्सरी को पॉलीथीन शीट से ढकें

Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details